
 CHARLOTTE, N. C., JANUARY 25, 1842.
§ NUMBER 46.

|  |  |  |  | INUMBER 4 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  | $\frac{\text { The Flection Frauls of } 1838-9 .}{\text { From the New York Evening Post. }}$ |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  | The voice of other days.* |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | beer |
|  |  | , |  |  |
|  |  |  |  |  |
| Weetly Almance for |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | atemen |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | 为 |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | I must look sharp and pay my partner off for it.--I was exccedingly vexed, and when the mob haddispersed, I asked Old Turner what on earth could |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | and | will be made free from any bias, and oa mature de- liberation, after having carefully collected the facts and memoranda upon which to base it. I know |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | Gentlemen of the Jury. Can you for an instant suppose, that my client here, a man what has allers sustained a high depredation in society, a man you |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | guilty of hooking a box of percushum caps! Rat- tlesnakes and coonskins forbid! Picter to your- selves, a feller fast to sleep in his Log Cabin, with |  |  |
| ionable 1 |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  |  | Sole |  |
|  |  |  |  |  |
|  |  | ter that ten men should escape, rather than that one guilty should suffer. Judre: give us a chaw of to- |  |  |
|  |  |  | Nosi |  |
|  |  |  |  |  |

